दुष्यन्त का चरित्र - चित्रण - (Contd.)

(11) दुष्यन्त के चरित्र पर आक्षेप का निराकरण - अपनी शकुन्तला (पत्नी) को न पहचानना और उसका परित्याग कर देना, यह दुष्यन्त के चरित्र पर सबसे बड़ा आक्षेप है। कालिदास ने 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' में इस घटना को सर्वाधिक महत्त्व दिया है। नाटक के नामकरण की सार्थकता में भी अंगूठी की घटना छिपी है। उसके प्रेम में कोई त्रुटि नहीं है। ज्यों ही उसे धीवर से अंगूठी मिलती है, त्यों ही पिछली सब घटना उसे स्मरण हो जाती है और वह विरह-दशा को प्राप्त हो जाता है। इसी दुःख के कारण बसन्तोत्सव रोक दी जाती है। कञ्चुकी राजा की दशा का करुण वर्णन इस प्रकार करता है -

'रम्यं द्वेष्टि यथा पुरा प्रकृतिभिर्न प्रत्यहं सेव्यते
शय्याप्रान्तविवर्तनैर्विगमयत्युन्निद्र एव क्षपाः। ...'
(अ॰शाकु॰ 6/5)

(12) चतुर चित्रकार - दुष्यन्त को चित्रकला का विशेष परिज्ञान है। वह शकुन्तला का जब अति सुन्दर चित्र आँकता है तो सानुमती कहती है - अरे! राजर्षि तो बड़े चतुर चित्रकार हैं। ऐसा जान पड़ता है मानो सखी शकुन्तला समक्ष खड़ी है। कलाकार दुष्यन्त की दृष्टि में अभी और भी त्रुटियाँ हैं -

'कार्या ... शृङ्गे कृष्णमृगस्य वामनयनं कण्डूयमानां मृगीम्।' - (अभिज्ञान - शाकु॰ 6/17)

इसमें दुष्यन्त के उच्चकोटि - चित्रकला परिज्ञान का स्पष्ट परिचय मिलता है।

(13) सर्वश्रेष्ठ नायक – मिराशीजी के अनुसार कालिदास के सब नायकों में दुष्यन्त श्रेष्ठ है। वह आकृति से भव्य, मन से कोमल है। गंभीर आकृति और मधुर संभाषण से वह दूसरों के मन को स्वतः आकृष्ट कर लेता है। पुरुरवा के समान वह पराक्रमी है।

यज्ञ की रक्षा के लिए उसका धनुष पर बाण लगाने की जरूरत ही नहीं पड़ती, उसकी प्रत्यंचा के हुंकार से ही सब विघ्न दूर हो जाते हैं। अतः विदूषक के साथ सब सैनिकों को भेजकर वह राक्षसों के निवारण के लिए अकेला आश्रम में रहता है।

राक्षसों से युद्ध करने के लिए स्वर्ग इन्द्र भी उसे स्वर्ग बुलाते हैं और विजय के अनन्तर पुत्र को स्पर्धा करने योग्य अर्धासन देकर और अपनी मंदार माला को उसके गले में डालकर उसका सम्मान करता है। राज्य में उसका विलक्षण प्रभाव है। शार्ङ्गरव कहता है – 'उसकी प्रजा में अत्यंत निकृष्ट लोग भी कुमार्गगामी नहीं हैं।'

संक्षेप में संयम, शौर्य – वीरता प्रतिष्ठा आदि राजा दुष्यन्त के मुख्य प्रधान गुण हैं।

प्रश्न – दुष्यन्त के चरित्र की मुख्य बातों को संक्षेप में संस्कृत में तैयार करें।

Uma Bakri
B.A. II Course
Skt Deptt.

Scanned with CamScanner